

सारीक सूच्य	<p>संख्या/दिनांक/वर्ष/स्थान/कार्यवाही/समय/इतिहास/जम संख्या (संख्या) / १५/१९९६/५०/असत</p>	<p>संख्या व सारीक संख्या व सारीक संख्या व सारीक</p>
	<p>मानवीय स्वीकृत न्यायालय द्वारा ५० सं. २०२/२००९ सी. एन. एफ.टी. गौडा नगर का आरक्षण में दिनांक १२/१२/१९९६ में वन भूमि को गैर-वन भूमि में वन भूमि को उपयोग उपयोग सिधे जाने पर प्रविष्टि सिधे गया एवं सफल रिपोर्ट में संकाय होने के पश्चात् विना न्यायालय न्यायालय के द्वारा निर्देश के पूर्णतः की अधिार नहीं है एवं इसी प्रकार के प्रमाणिक एवं प्रमाणिक का नहीं होने से वान का वाड इसी तरह पर स्वीकृत किया जाये उपाय की वदत रुकी गई वदत पर मनव सिधे गया, फायली पर उपलब्ध दस्तावेज व सफल रिपोर्ट का उपयोग सिधे गया तत्पश्चात् न्यायालय का विनियम मर रहा है कि वाड गैर आपात्पक्ष सफल रिपोर्ट में वन भूमि के रूप में उर्ध्व रिपोर्ट है एवं वन सजाण अधिनियम १९८० एवं अधिनियम १९८४ के तहत वन भूमि को विना आरक्षण सफल की अधिार के संशोधन नहीं सिधे जा सकरा इत कारण वही रमा प्रकृत वाड न्यायालय द्वारा के अधिारिक एवं प्रमाणिक का नहीं होने से वान का वाड इसी तरह पर स्वीकृत सिधे जाया है। वान सफल न्यायालय</p>	

उपखण्ड अधिकारी पटेल
 सहायक कलक्टर करंड

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>न्यायालय उपखंड अधिकारी दफ्तर (1971) संख्या हुक्म या कार्यवाही मय इनीशियल्स जज करेड (भीलवाइ) इन्डिया प्रिन्सिपल</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
	<p>में-वापस ले लिए जाते हैं स्वतंत्र रहने का अवसर केवल शर्मा को उन नम्बर से काम ले डिक्री पम्प मुख्य है।</p> <p style="text-align: center;">Jmy उपखण्ड अधिकारी पर्वत सहायक कलेक्टर करेड</p>	